एकीकृत शिक्षा
(Integrated Education)

भूमिका :—

भारत में शिक्षाशास्त्रियों व मनोवैज्ञानिकों में इस बात को लेकर हमेशा मतभेद रहा है कि विशिष्ट बच्चों को शिक्षा विशिष्ट विद्यालय में दिया जाए या सामान्य विद्यालयों में सामान्य विद्यार्थियों के साथ दी जाये।

"विशेष विद्यालयों" की शुरुआत 18 वीं शताब्दी में हुई थी, लेकिन मनोवैज्ञानिकों ने यह महसूस किया कि विशिष्ट बच्चों को सामान्य विद्यालयों में ही पढ़ाया जाना चाहिए। ताकि उनमें हीन भावना न आये और वे समाज की मुख्य धारा से अलग न हों।

भारत में 'समाकलित शिक्षा' अमेरिका के मुख्य धारा आन्दोलन का परिणाम है जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि कम अपंग बालकों को विशेष शिक्षा की नहीं अपितु समाकलित या एकीकृत शिक्षा की आवश्यकता है।

20 वीं शताब्दी के अन्त तक, नये विचारों एवं तकनीकों ने विकलांग बच्चों की शिक्षा के नये रास्ते खोल दिये, यह महसूस किया गया कि मध्यम श्रेणी के विकलांग बच्चों को अतिरिक्त सहायता का प्रबन्ध करके, विशेष कक्षाएँ, विशेष अध्यापक आदि की सहायता से सामान्य बच्चों के साथ शिक्षित किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

एकीकृत शिक्षा का अर्थ
(Meaning of Integrated Education)

एकीकृत शिक्षा मुख्यतः अमेरिका की 'मुख्य धारा आन्दोलन' का परिणाम है। एकीकृत शिक्षा शारीरिक व मानसिक रूप से बाधित बालकों को सामान्य बालकों के साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा प्राप्त करना व विशिष्ट सेवाएँ देकर विशिष्ट आवश्यकताओं को प्राप्त करने में सहायता करती है।

कुक्शंक के अनुसार : "विशिष्ट बालकों की शिक्षा सम्पूर्ण शिक्षा का हिस्सा है।"

अतः एकीकृत शिक्षा वह शिक्षा है जिसके अन्तर्गत अपंग बालकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया जाता है तथा उनके नागरिक अधिकारों को यह शिक्षा सुनिश्चित करती है।

विभिन्न शिक्षाविदों द्वारा समन्वित शिक्षा को इस प्रकार वर्णित किया गया है —

- सामान्य मानसिक विकास सम्भव है।
- समन्वित शिक्षा कम खर्चीली है।
- समन्वित शिक्षा के माध्यम से एकीकरण सम्भव है।
- शैक्षिक एकीकरण संभव है।
- समानता के सिद्धान्त का अनुपालन करती है।
- सामाजिक एकीकरण को सुनिश्चित करती है।

Scanned with CamScanner

एकीकृत शिक्षा के उद्देश्य
(Objective of Integrated Education)

एकीकृत शिक्षा के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है :—

1. एकीकृत शिक्षा विशिष्ट व सामान्य बच्चों में एक-सी शिक्षा करता है।
2. एकीकृत शिक्षा के द्वारा विशिष्ट बालकों का मानसिक विकास बढ़ता है तथा इससे उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न होता है।
3. इस शिक्षा के द्वारा विशिष्ट बालक बिना किसी भेदभाव के एकीकृत शिक्षा को प्राप्त कर सकते हैं।
4. विशिष्ट बालकों में हीनभावना को खत्म करने में यह शिक्षा मदद करती है।
5. विशिष्ट बालकों को समाज में तथा प्राकृतिक वातावरण में सहजता से समायोजित करने में यह शिक्षा मदद करती है।
6. एकीकृत शिक्षा सामान्य व विशिष्ट बच्चों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करती है।

Scanned with CamScanner

एकीकृत शिक्षा की प्रकृति एवं विशेषताएँ (Nature and characteristics of Integrated Edu.)

05 एकीकृत शिक्षा की प्रकृति एवं विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

1. यह शिक्षा अपंग बच्चों को कम प्रतिबंधित व अधिक प्रभावी वातावरण उपलब्ध कराती है, जिससे वे सामान्य बालकों के समान जीवनयापन कर सकें।

2. समन्वित शिक्षा द्वारा जो सुविधाएँ सामान्य बालकों को प्रदान की जाती हैं वही सुविधाएँ असमर्थ बालकों को भी प्रदान की जाती है।

3. यह शिक्षा असमर्थ बालकों को उनके व्यक्तित्व की पहचान के आधार पर व्यवहार करती है, उनकी बाधिता के अनुसार नहीं।

4. समन्वित शिक्षा माता-पिता, अध्यापकों व शिक्षाविदों के सामूहिक प्रयास पर आधारित है।

5. समन्वित शिक्षा कम खर्चीली है तथा सामाजिक एकीकरण को सुनिश्चित करती है।

6. यह शिक्षा विशिष्ट व सामान्य बच्चों के बीच के शारीरिक अन्तर को खत्म करती है।

7. यह शिक्षा अपंग बालकों को समान शिक्षा के अवसर प्रदान करती है ताकि वे समाज के अन्य लोगों के प्रत्येक परिस्थिति में आत्मनिर्भर होकर अपना जीवनयापन कर सकें।

❖ Gratitude is the memory of the heart.

Scanned with CamScanner

8. यह शिक्षा अपंग व सामान्य बालकों के मध्य स्वस्थ सामाजिक वातावरण व संबंध बनाने में समाज के प्रत्येक स्तर पर सहायक है।

9. यह शिक्षा 'सबके लिए शिक्षा' के अधिकार का अनुपालन करती है। यह शिक्षा जाति, रंग व धर्म आदि के आधार पर भेद-भाव नहीं करती है।

10. समन्वित शिक्षा के द्वारा समर्थ व असमर्थ बच्चे एक-दूसरे के नजदीक आते हैं जिससे विद्यालय का वातावरण अच्छा बनता है।

एकीकृत शिक्षा का महत्व
(Importance of Integrated Education)

असमर्थ बालकों के लिए पहले विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता महसूस की गयी क्योंकि विशिष्ट बालक सामान्य बालकों से भिन्न होते हैं। मनोवैज्ञानिकों ने यह महसूस किया कि इससे बच्चों में हीन भावना का विकास हो रहा है। इसलिए विशिष्ट व सामान्य बच्चों के लिए एक शिक्षा अर्थात समाकलित शिक्षा को अपनाया गया। समाकलित शिक्षा सामान्य व विशिष्ट बच्चों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करती है। समन्वित शिक्षा के महत्व को निम्नलिखित प्रकार से व्यक्त किया गया है :—

Scanned with CamScanner

07

1. सामाजिक मूल्यों का विकास — समाज में सभी प्रकार के (समर्थ व असमर्थ) बच्चे होते हैं। समन्वित शिक्षा द्वारा समर्थ व असमर्थ दोनो प्रकार के बच्चों को समान शिक्षित किया जाता है। सभी प्रकार के वर्गों के बालक आपस में मिलते हैं। इस प्रकार उनमें समाजीकरण की भावना का विकास होता है। उनमें सहयोग, सहायता, समायोजन आदि विभिन्न प्रकार के सामाजिक मूल्यों का विकास होता है।

2. प्राकृतिक वातावरण :— सामान्य विद्यालयों में असमर्थ बच्चों को प्राकृतिक वातावरण प्राप्त होता है। असमर्थ बच्चे, समर्थ बच्चों के साथ रहते-रहते अपने आपको सहजता से उनके साथ समायोजित कर लेते हैं।

3. मानसिक विकास :— विशिष्ट बच्चों को विशेष विद्यालयों व प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाती है। इससे उनमें हीन भावना पैदा होती है कि हमें सामान्य बच्चों के साथ क्यों नहीं पढ़ाया जा रहा। इस बात का उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, लेकिन समन्वित शिक्षा विशिष्ट बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ सामान्य विद्यालयों में प्रदान की जाती है, इससे उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न होता है।

❖ Great causes are never tried on their merits.

Scanned with CamScanner

08

4. समानता का सिद्धान्त :— हमारे संविधान में प्रत्येक बालक के लिए समान शिक्षा देने की बात कही गयी है बिना किसी भेद-भाव के। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समन्वित शिक्षा की आवश्यकता है।

5. कम खर्चीली :— विशिष्ट शिक्षा देने के लिए विशेष अध्यापक, विशेष प्रकार की शिक्षण विधियाँ, विशेष पाठ्यक्रम व विशेष शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता होती है जो काफी खर्चीली होती है। इसके अतिरिक्त समाकलित शिक्षा सामान्य विद्यालयों में प्रदान की जाती है जो कम खर्चीली है।

इस प्रकार विशिष्ट बच्चों को विशिष्ट शिक्षा की अपेक्षा समाकलित या समन्वित शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

Scanned with CamScanner